आमोखस व मिडिया की खबरों व प्रथम समाचार पत्र

RNI No. UPHIN/2012/47484

जननायक समाट

उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों अलीगढ़ हाथरस ऐटा कासगंज बदायूं बुलंदशहर मथुरा आदि से प्रसारित व अलीगढ़ से प्रकाशित

बर्ष :13 अंक :423 पृष्ठ -4 दिनांक 10 मार्च 2025 दिन सोमवार

बच्चों के पास मिला रंग या गुलाल तो एग्जाम होगा कैंसिल

होली से पहले स्कूल ने जारी किया फरमान

विश्व हिंदू महासंघ ने भी स्कूल के इस निर्देश का पुहजोर विरोध किया है और उक्त आदेश को वापस लेने व प्रशासन ने स्कूल के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है. बस्ती में होली से पहले एक प्राइवेट स्कूल के फरमान ने हड़कंप मचा दिया है. स्कूल की तरफ से कहा गया है कोई बच्चा रंग नहीं खेलेगा और न उनके अभिभावक पार्टी करेंगे या अपने बच्चों को पार्टी के लिए पैसे ही देंगे. बस इस निर्देश के जारी होने के बाद विरोध शुरू हो गया. हिंदू संगठनों ने इस मुद्दे को हाथों हाथ ले लिया और स्कूल मैनेजमेंट के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की मांग की है. रंगों के त्योहार होली खुशियां लेकर आता है, फिर कैसे एक प्राइवेट स्कूल अपने एजेंडे को जबरन विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों और उनके अभिभावकों पर थोप सकता है.सोशल मीडिया पर स्कूल का फरमान जारी होने का नोटिस वायरल होते ही हर कोई चौंक गया. स्कूल के इस फैसले का विरोध होने लगा, अभिव्यक्ति की आजादी पर पहरा लगाने वाले स्कूल पर तला लगाने की बात की जाने लगी. समाजसेवी चन्द्रमणि पाण्डेय ने सेंट जोसेफ स्कूल जिगिना बस्ती द्वारा जारी होली का त्यौहार न मनाने के तुगलकी फरमान पर विरोध जताते हुए मांग की है कि बहुसंख्यक हिन्दू समाज के तिथि त्यौहारों व चोटी तिलक कलावा पर प्रतिबंध लगाने का किसी को अधिकार नहीं है. उन्होंने कहा हम से मना नहीं करते तो इसका मतलब कोई हमारी संस्कृति पर सवाल नहीं खड़ा कर सकता. चंद्रमणि ने कहा कोई भी शिक्षण संस्थान शिक्षा देने के लिए है, हमारी धार्मिक मान्यताओं व तिथि त्यौहारों के निर्धारण व उसे मनाने या न मनाने का निर्देश देने का अधिकार उसे नहीं है. इसलिए निश्चित तौर पर स्कूल प्रबंधन का ये कृत्य क्षम्य नहीं है. बकायदा अभिभावकों व बच्चों को सूचना दिए जाने वाले ग्रुप में स्पष्ट निर्देश जारी कर बच्चों को स्कूल से लेकर घर तक पार्क से लेकर पार्टी तक होली मनाने से न केवल मना किया गया बल्कि फरमान जारी हुआ कि यदि ऐसा किसी ने किया तो उसे परीक्षा से वंचित कर दिया जाएगा. जबकि होली दीपावली चंद्रमणि पाण्डेय ने जिलाधिकारी बस्ती व शिक्षा विभाग के अधिकारियों से मांग किया कि ऐसे विद्यालय का तत्काल मान्यता प्रत्याहरण कर संचालन बंद कराया जाए वरना जागृत हिन्दू समाज आन्दोलन को बाध्य होगा. वहीं विश्व हिंदू महासंघ ने भी स्कूल के इस निर्देश का पुहजोर विरोध किया है और उक्त आदेश को वापस लेने व प्रशासन ने स्कूल के खिलाफ कड़ी कार. ंवाई की मांग की गई है. वहीं स्कूल का पक्ष लेने के लिए हमने कई बार प्रयास किया मगर स्कूल मैनेजमेंट की तरफ से कोई बात करने को तैयार नहीं हुआ. जब कि बेसिक शिक्षा अधिकारी ने कहा मामले की जानकारी हुई है, स्कूल से बात कर उचित कार्रवाई अमल में लाई जाएगी.

रमजान पर उधम सिंह नगर का बाजार हुआ गुलजार

पाकिस्तानी और बांग्लादेशी टोपी की भारी डिमांड

रमजान के महीने की शुरुआत होने के साथ ही उत्तराखंड के मैदानी जनपदों की बाजारों में चहल–पहल बढ़ चुकी है. सुबह से लेकर शाम तक ग्राहक बड़ी संख्या में बाजार में पहुंचकर टोपी, कुर्ता पजामा और फलों की खरीदारी करते नजर आते हैं. बाजार में ग्राहकों की संख्या बढ़ने से व्यापारियों के चेहरे भी खिल उठे हैं. उधम सिंह नगर जनपद के रुद्रपुर काशीपुर बा. जपुर जयपुर गदरपुर कि छात्र सितारगंज और खटीमा के बाजारों में रमजान के महीने की शुरुआत के बाद बड़ी संख्या में बाजार में ग्राहक खरीदारी करने पहुंच रहें हैं. बाजार में पहुंचकर कर ग्राहक टोपी, कुर्ते–पायजामे, सूट, फल और खाने के अन्य आइटम की खरीदारी कर रहे हैं. रमजान पर बाजार में रौनक लौटने से व्यापारियों के चेहरे खिल उठे हैं, व्यापारियों को उम्मीद है कि इस बार पिछले रमजान की तुलना में ज्यादा अच्छा कारोबार रहेगा. रमजान के महीने के बड़ी संख्या में लोगों बाजार में पहुंचकर टोपी की खरीदारी करते हैं. इस साल में पाकिस्तानी टोपी, बांग्ला देशी टोपी, नग वाली टोपी, पहाड़ी टोपी की डिमांड ज्यादा है. व्यापारी नईम अहमद ने कहा कि हर साल अगल डिजाइन की टोपी की डिमांड रहती है. इस बार ग्राहकों को पाकिस्तानी डिजाइन की टोपी, बा. ंग्लादेशी डिजाइन की टोपी और नग वाली टोपी ज्यादा पसंद आ रही है. ये सभी टोपियां उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में तैयार होती है.कपड़ा एवं टोपी व्यापारी नईम अहमद ने बताया कि रमजान का महीना व्यापार के लिए बेहद खास होता है इस महीने में टोपी, कुर्ता, पजामा और सूट की भारी डिमांड रहती है. रमजान की शुरुआत होते ही इस बार बाजार में रौनक लौट आई है, इसके साथ होली का त्यौहार व्यापार में चार चांद लगाने का काम कर रहा है. उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है की इस बार पिछली बार की तुलना में अच्छी बिक्री होगी.रेडीमेड कपड़ा व्यापारी तस्लीम ने बताया कि रमजान की शुरुआत होने के साथ ही बाजार में रौनक लौट आई है. इस समय टोपी और कुर्ते–पायजामे की ज्यादा डिमांड है. उन्होंने कहा कि ईद से पहले रेडिमेड कपड़ों की बिक्री में बढ़ोत्तरी होंगी.

राजा भैया के खिलाफ पत्नी की शिकायत पर केस दर्ज

लखनऊ। दिल्ली के सफदरजंग एन्क्लेव थाने में यूपी के प्रतापगढ़ की कुंडा विधानसभा सीट से विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया के खिलाफ उनकी पत्नी ने एफआईआर दर्ज कराई है। भानवी सिंह ने राजा भैय्या पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया था। उनकी शिकायत पर यह एफआईआर दर्ज हुई है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की आगे की जांच कर रही है।पुलिस का कहना है कि सफदरजंग एन्क्लेव थाने में यूपी के पूर्व मंत्री व विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। ये मामला पहले से क्राइम अगेंस्ट वूमेन सेल (बूं बमसस) में चल रहा था। मामला मीडिएशन सेंटर भी गया था। लेकिन इसके बाद मामला जब थाने आया तो केस दर्ज किया गया है। आपको बता दें कि राजा भैया और उनकी पत्नी भानवी सिंह का तलाक का केस अभी कोर्ट में चल रहा है। बीते दिनों भानवी ने तलाक मामले में दिल्ली के साकेत कोर्ट में हलफनामा दाखिल किया था। जिसमें उन्होंने पति (राजा भैया) पर शारीरिक और मानसिक शोषण करने के साथ ही एक महिला पत्रकार से अफेयर का भी आरोप लगाया था।

सीएम योगी का ऐलान, प्रयागराज से हरिद्वार तक होगा गंगा एक्सप्रेस–वे, जानें क्या है तैयारी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना के तहत मेरठ और सहारनपुर मंडल के 1261 युवाओं को ऋण वितरित किए. इसके बाद सीएम योगी ने वहां मौजूद लोगों को संबोधित किया. उन्होंने कहा कि गंगा एक्सप्रेस–वे के विस्तार का ऐलान भी उन्होंने किया है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, ष्प्रदेश में पिछले 8 वर्षों में डबल इंजन की सरकार द्वारा किए गए कार्यों का परिणाम है कि सुरक्षा की बेहतर स्थिति, कानून व्यवस्था की बेहतर स्थिति के कारण आज प्रदेश में चारों ओर से निवेश आ रहा है. 15 लाख करोड़ से अधिक के निवेश के प्रस्ताव को अब तक हम धरातल पर उतार चुके हैं.ष्सीएम योगी ने कहा, श्ये नए भारत का नया उत्तर प्रदेश है. हम युवा ऊर्जा से भरपूर युवा उद्यमी दे रहें हैं. प्रेम मोदी के मेकिंग इंडिया के अभियान को आगे बढ़ाएगा. 2047 में भारत विकसित भारत होगा. कोई रोक नहीं सकता. आठ साल के प्रदेश में डबल इंजन सरकार में सुरक्षा और कानून व्यवस्था की बेहतर स्थित है. आज निवेश की कमी नहीं है.श्उन्होंने कहा कि 15 लाख करोड़ से ज्यादा के प्रस्ताव जमीनी स्तर पर उतार चुके हैं. साढ़े साथ लाख युवाओं को सरक. ारी नौकरी दी है. सवा दो लाख करोड़ के यूपी के प्रोडक्ट को एक्सपोर्ट कर रहें हैं. यूपी में बेरोजगारी की दर कम हुई है. गरीबी रेखा से लोगों को उभरने की घोषणा बजट में की है. आप अगली बार महाकुंभ के आयोजन में जाएंगे गंगा एक्सप्रेस वे बनकर तैयार हो जाएगा.मेरठ में सीएम योगी ने कहा, श्गंगा एक्सप्रेस–वे बनने के बाद आप आठ घंटे में प्रयागराज जाइएगा. वहां डुबकी लगाइए बड़े हनुमान जी के दर्शन कर मेरठ वापस आइए. गंगा एक्सप्रेस वे को हरिद्वार तक ले जाने वाले हैं. हम दो कुंभ नगरियों को जोड़ेंगे. गंगा एक्सप्रेस वे को हरिद्वार तक ले जाने वाले हैं. मेरठ के लोग जो दिल्ली रहते थे मेरठ से ही अप–डाउन कर रहे हैं.श्मुख्यमंत्री ने कहा, अब सुरक्षा का संकट नहीं है, हर बेटी हर नौजवान सुरक्षित है. मेजर ध्यानचंद स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी को अक्टूबर नवंबर में कंप्लीट करके राष्ट्र को समर्पित कर दें. प्रयागराज महाकुंभ में 66 करोड़ श्रद्धालु पूरी दुनिया से आया. हम जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक करने जा रहें है. पश्चिमी यूपी पिछड़ने नहीं पाएगा, 1070 से ज्यादा युवाओं को ऋण वितरण किया है.

होली तक भक्त नहीं कर पाएंगे प्रेमानंद महाराज .के दर्शन, इस वजह से रोक दी गई पदयात्रा

उत्तर प्रदेश के मथुरा स्थित वृंदावन में रहने वाले संत प्रेमानंद महाराज के देश और दुनियां में तमाम भक्त हैं. शायद ही ऐसा कोई व्यक्ति हो जो प्रेमानंद महाराज को ना जानता हो. प्रेमानंद महाराज के चाहने वालों का हर दिन आश्रम श्री हित राधा केलि कुंज में तांता लगा रहता है. प्रेमानंद महाराज हर रोज रात के दो बजे पदयात्रा पर निकलते हैं, जिनकी एक झलक पाने के लिए भक्तों भीड़ लग जाती है. होली के पहले श्री हित केलि कुंज की तरफ से ऐसा ऐलान किया गया है जिसे सुनकर उनके भक्तों में मायूसी छा गई है. श्री हित केलि कुंज संस्था की तरफ से चार दिनों तक पदयात्रा नहीं निकाले जाने के ऐलान किया गया है.श्री हित केलि कुंज संस्था की तरफ से किए गए ऐलान के बाद प्रेमानंद महाराज के भक्त अब होली तक उनके दर्शन नहीं कर पाएंगे. उन्होंने अपनी पदयात्रा पर अगले कुछ दिनों के लिए रोक लगा दी है. प्रेमानंद महाराज ने होली के पावन पर्व और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते

हुए ये निर्णय लिया है. इस फैसले से भक्त अब होली तक प्रेमानंद महाराज के दर्शन नहीं कर पाएंगे. प्रेमानंद महाराज 10 मार्च से 14 मार्च तक पदयात्रा नहीं निकालेंगे. जिससे उनके भक्तों में मायूसी छा गई है. श्री हित राधा केलि कुंज परिकर श्रीधाम वृंदावन की ओर से सूचना में कहा गया है कि, ष्आप सभी प्रियजनों को सूचित किया जाता है कि होली के पावन पर्व के चलते व पूज्य महाराज जी के स्वास्थ्य की अनुकूलता को ध्यान में रखते हुए दिनांक 10 मार्च से 14 मार्च 2025, रात्रि 02रू00 बजे से पूज्य महाराज जी की पदयात्रा नहीं निकलेगी, आप सभी प्रियजनों से प्रार्थना है कि अगर आप दर्शन के लिए आ रहे हैं तो उपरोक्त दिनों में दर्शन के लिए ना आयें.ष्मथुरा स्थित वृंदावन में का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया जाता है. होली पर्व के मौके पर देश–विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु होली मनाने के लिए वृंदावन पहुंचते हैं. ऐसे में श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए श्री राधा केलि कुंज की तरफ से आगामी चार दिनों तक पदयात्रा नहीं निकालने का निर्णय लिया गया है. इस फैसले से प्रेमानंद महाराज के भक्तों में मायूसी छा गई है.

यूपी में कैबिनेट विस्तार की संभावना के बीच पीएम मोदी से मिले सीएम योगी, इन मुद्दों पर भी हुई चर्चा

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से रविवार, 9 मार्च को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में मुलाकात की. सीएम योगी और पीएम मोदी के बीच महाकुंभ के समापन के बाद ये पहली औपचारिक मुलाकात है. इस मुलाकात के दौरान राज्य से जुड़े कुछ अहम मुद्दों पर चर्चा हुई. जानकारी के अनुसार यूपी में संभावित मंत्रिमंडल विस्तार और सांगठनिक चुनाव और प्रदेश में होनी वाली नियुक्तियों को लेकर चर्चा हुई. पीएम मोदी और सीएम योगी की बैठक में कुंभ के विभिन्न आयामों पर भी बातचीत हुई.इससे पहले सीएम योगी आदित्यनाथ ने शनिवार, 8 मार्च को भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा से भी मुलाकात की थी. सूत्रों की मानें तो नड्डा के साथ बैठक में भी इन्हीं मुद्दों पर चर्चा हुई थी.यूपी में कै. बिनेट विस्तार के संदर्भ में बात करें तो फिलहाल 6 मंत्रियों की जगह खाली है. इसको लेकर यूपी बीजेपी और हाईकमान के बीच मंथन जारी है. सूत्रों के अनुसार

यूपी बीजेपी के मौजूदा अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी को योगी कैबिनेट में जगह मिल सकती है. इसके अलावा विभिन्न आयोगों में नेताओं के समायोजन को लेकर भी सां. गठनिक वार्ता जारी है.कैबिनेट विस्तार के अलावा यूपी बीजेपी के अध्यक्ष के लिए भी नाम की घोषणा होनी है. कुछ नाम रेस में भी हैं. सूत्रों की मानें तो पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी, बीएल वर्मा, धर्मपाल सिंह, स्वतंत्र देव सिंह के नाम इस रेस में है.इसके साथ ही यूपी में जिलाध्यक्षों की लिस्ट की बात करें तो बीते महीने फरवरी में बीजेपी नेता विनोद तावड़े लखनऊ आए थे. सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार तावड़े ने जिलाध्यक्षों की सूची पर भी मंथन किया था. माना जा रहा है कि जिलाध्यक्षों की सूची आने के बाद अध्यक्ष पद के लिए नामांकन होगा. बीते दिनों पत्रकारों से बात करते हुए यूपी बीजेपी चीफ भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा था कि यूपी बीजेपी में सां. गठनिक बदलाव जल्द ही होंगे. सभी मुद्दों पर पार्टी के भीतर चर्चा जारी है.

मथुरा पुलिस की मुठभेड़ एक लाख इनामी बदमाश फाती असद ढेर, तीन राज्यों में दर्ज थे 36 से ज्यादा केस

उत्तर प्रदेश की मथुरा पुलिस ने आज सुबह बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए एक लाख के इनामी बदमाश को ढेर कर दिया है. मथुरा डीआईजीध्एसएसपी शैलेश पांडे के नेतृत्व में एक लाख का ईनामिया दुर्दांत अपराधी फाती असद पुत्र यासिन गढ़ मुक्तेश्वर जनपद हापुड़ मारा गया है. अपराधी के विरुद्ध तीन दर्जन से ज्यादा लूट, डकैती, हत्या के ज्ञात मुकदमे है. एसएसपी शैलेश पांडे ने बताया कि इसके साथ आज सुबह हाईवे थाना क्षेत्र में मुठभेड़ हुई. इस मुठभेड़ यह दुर्दान्त अपराधी घायल हुआ, अस्पताल में डॉक्टर ने इसे मृत घोषित किया. यह कुख्यात छैमार गिरोह का सरगना था. साथ ही यह मथुरा से वांछित था. पुलिस ने बताया कि यह अंतर्राज्यीय गिरोह का सरगना था और इसके खिलाफ उत्तर प्रदेश, राजस्थान, जम्मू कश्मीर में मुकदमे दर्ज थे. उत्तर प्रदेश पुलिस की अपराध उन्मूलन के विरुद्ध यह एक बड़ी सफलता है.

अमेठी के पालपुर कस्बे में प्रार्थना सभा की आड़ में धर्म परिवर्तन कराने का मामला रविवार को सामने आया

अमेठी के पालपुर कस्बे में प्रार्थना सभा की आड़ में धर्म परिवर्तन कराने का मामला रविवार को सामने आया है। स्थानीय लोगों की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने एक मकान में छापा मारा। मौके से धर्म परिवर्तन से संबंधित कई पुस्तकें, दस्तावेज और अन्य सामग्री भी जब्त की गई है। पालपुर कस्बे के एक मकान में प्रार्थना सभा के नाम पर 100 से अधिक महिला पुरुष जमा हुए थे। किसी ने धर्म परिवर्तन की सूचना हिन्दू धर्म संगठन और पुलिस को दे दी। जानकारी पर सीओ मुसाफिरखाना अतुल सिंह, तहसीलदार मुसाफिरखाना राहुल सिंह, नायब तहसीलदार मुसाफिरखाना प्रशांत सिंह व प्रभारी निरीक्षक धीरेंद्र कुमार यादव फोर्स संग मौके पहुंचे। घर के भीतर जाकर देखा तो छत पर बड़ी संख्या में आस पास गांवों के महिला पुरुष बच्चे मौजूद मिले। ईसाई धर्म से जुड़ी पुस्तकें, डायरी, पैंपलेट, माइक, डफली सहित ऑडियो सिस्टम सहित कई सामान बरामद हुआ। मकान में मौजूद लोगों से पूछताछ करने के बाद कुछ को घर से तो कुछ को थाने लाने के बाद छोड़ दिया। इसके बाद पुलिस संदिग्ध पांच महिला व एक पुरुष को हिरासत में लेकर जांच में जुटी है। इंस्पेक्टर ने बताया कि संदिग्ध गतिविधियों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि धर्म परिवर्तन एक संगठित तरीके से कराया जा रहा था। हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ भी की जा रही है कि क्या वे स्वेच्छा से धर्म परिवर्तन कर रहे थे या किसी लालच, भय अथवा दबाव में आकर ऐसा कर रहे थे। जांच के बाद मामले में कार्रवाई की जाएगी।

सात वर्षों से चल रहा मुकदमा 17 मिनट में ही निपट गया

दांपत्य जीवन में आई दरार तो बात मुक. दमेबाजी तक पहुंच गई। सात से साल से मुकदमा चल रहा था। राष्ट्रीय लोक अदालत में यह मात्र 17 मिनट में निपट गया। आपसी समझौते के आधार पर 33 पारिवारिक विवाद और एक प्रीलिटिगेशन वैवाहिक मामले का निस्तारण किया गया।इनमें से नौ जोड़े राजी–खुशी अपने घर चले गए।शनिवार को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल निस्तारित किए गए 33 परिवार वादों में अधिकांश मामले भरण पोषण से संबंधित थे। पति–पत्नी के मध्य छोटी–छोटी बातों पर शुरू हुए विवाद इतने बढ़ गए कि मामले न्यायालय तक पहुंच गए।तहसील सासनी क्षेत्र के एक गांव के एक व्यक्ति का वाद वर्ष 2017 से सिविल न्यायालय में विचाराधीन था। सात साल से मामला चला आ रहा था। सिविल जज जूनियर डिवीजन के न्यायालय से आपसी समझौते के आधार पर यह मामला 17 मिनट में निस्तारित हो गया। अन्य मामलों में प्रधान न्यायाधीश रविंद्र कुमार और पक्षकारों के प्रयासों से समझौता हो गया।

केस संख्या एक

थाना सादाबाद क्षेत्र के एक गांव की एक महिला का अपने पति से भरण पोषण का वाद चल रहा था। दोनों के मध्य समझौता हो गया। पति–पत्नी राजी–खुशी अपने घर गए।

केस संख्या 2

थाना मुरसान क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली एक महिला का अपने पति से विवाद चल रहा था। इस महिला के तीन बच्चे थे, जो महिला के ही साथ रह रहे थे। लोक अदालत में हुए समझौते के बाद पति–पत्नी साथ–साथ गए और घर टूटने से बच गया। महिला का कहना है कि अब बच्चों की शिक्षा अच्छी हो सकेगी।

केस संख्या 3

थाना चंदपा क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली एक महिला का अपने पति से भरण पोषण का वाद चल रहा था। प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय के यहां से मामला लोक अदालत में निस्तारित हो गया।

राष्ट्रीय लोक अदालत में हुआ 60,930 वादों का निस्तारणजिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन हुआ। इसका शुभारंभ जनपद न्यायाधीश सतेंद्र कुमार ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया।इस साल की प्रथम राष्ट्रीय लोक अदालत में विभिन्न प्रकृति के कुल 60,930 वादों का निस्तारण हुआ।इसमें 30 मोटर दुर्घटना प्रतिकर के वाद का निस्तारण कर 18972200/–रुपये प्रतिकर केरूप में दिलाए गए। 91 सिविल वादों,3पारिवारिक वाद, 307 विद्युत अधिनियम के वादों का निस्तारण कर 320000 रुपये अर्थदंड के रूप में वसूल किए गए। धारा 138 एनआई एक्ट के 24 वादों, 27459 राजस्व वादों का निस्तारण किया गया।दो वाद जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग एवं 8196 लघु आपराधिक वादों का निस्तारण कर 7,33,460 रुपये अर्थदंड के रूप में वसूल किए गए। प्रिलिटीगेशन स्तर पर बैंक व विद्युत के कुल 24785 मामलों का निस्तारण कर 41981405 रुपये में समझौता दाखिल किया गया

तीन वादों का निस्तारण स्थायी लोक अदालत के माध्यम से हुआ। जनपद न्यायाधीश, सतेन्द्र कुमार के न्यायालय से नौ सिविल वादों एवं 17 फौजदारी वादों का निस्तारण कर 1000 रुपये अर्थदंड के रूप में वसूल किए गए। पीठासीन अधिकारी, मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण, सुधीर कुमार के न्यायालय से 30 मोटर दुर्घटना प्रतिकर के वादों का निस्तारण कर 18972200/ रुपये प्रतिकर के रूप में दिलाए गए। अध्यक्ष, स्थायी लोक अदालत राजेश कुमार के न्यायालय से तीन वादों का निस्तारण किया गया। अध्यक्ष, जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, राकेश कुमार–चतुर्थ के न्यायालय में वादों का निस्तारण कर 352195 रुपये दिलाए गए ।

अलीगढ़ में महानगर–जिला अध्यक्ष पद के लिए नामांकन

अलीगढ़ के लिए नए भाजपा जिलाध्यक्ष और महानगर अध्यक्ष के चुनाव का समय आ गया है। आज नामांकन के बाद दोनों पदों के लिए सरगर्मी तेज हो जाएगी। इन पदों के लिए प्रमुख दावेदारों के नाम सामने आ गए हैं... आखिरकार अलीगढ़ जिले में महानगर और जिला अध्यक्ष पद के लिए चुनाव प्रक्रिया शुरू हो गई। 8 मार्च को इस संबंध में पार्टी नेताओं को प्रदेश नेतृत्व से निर्देश मिल गए। अब 9 मार्च को कयामपुर स्थित भाजपा के जिला कार्यालय पर महानगर और जिला अध्यक्ष पद के लिए नामांकन किए जाएंगे। नामांकन वही कर सकते हैं जो दो बार सक्रिय सदस्य रहे हों। भाजपा में गुटबाजी के चलते मंडल अध्यक्षों की तैनाती नहीं हो पा रही थी, जिसके चलते जिला और महानगर अध्यक्षों की नियुक्ति भी लटकी हुई थी। यह मामला प्रदेश स्तर पर लगातार गूंजता रहा। दो दिन पूर्व प्रदेश नेतृत्व ने जिले के 27 मंडलों में से 19 मंडल अध्यक्षों की घोषणा कर दी, जिससे जिला और महानगर अध्यक्षों की घोषणा का कोरम पूरा हो गया। अब इन पदों के लिए चुनाव प्रक्रिया शुरू हुई है।जिलाध्यक्ष कृष्णपाल सिंह लाला और महानगर अध्यक्ष राजीव शर्मा ने बताया कि 9 मार्च को भाजपा के जिला कार्यालय पर जिला और महानगर अध्यक्ष पद के लिए नामांकन लिए जाएंगे। इस दौरान जिला चुनाव अधिकारी सत्यपाल सैनी, महानगर चुनाव अधिकारी राजीव गुंबर

मौजूद रहेंगे। जिले के सह चुनाव अधिकारी शिवनारायण शर्मा और शल्यराज सिंह, महानगर के सह चुनाव अधिकारी सुरेश शर्मा व मानव महाजन नामांकन प्रक्रिया पूरी कराएंगे। दोनों चुनाव अधिकारी दोपहर एक बजे से तीन बजे तक जिले के जनप्र. निधि और प्रमुख पदाधिकारियों के साथ चर्चा करेंगे।ऐसे बनते हैं सक्रिय सदस्य भा. जपा का सक्रिय सदस्य बनने के लिए ऑनलाइन सौ सदस्य बनाना अनिवार्य है। जिन लोगों ने दो बार के सदस्यता अभियान में सौ–सौ सदस्य बनाए हैं वही व्यक्ति जिला और महानगर के अध्यक्ष पद पर नामांकन करने के लिए मान्य है। हालांकि जिले में ऐसे पदाधिकारियों की लंबी सूची है, लेकिन करीब दो दर्जन की दावेदारी प्रमुख मानी जा रही है।महानगर अध्यक्ष पद के लिए प्रमुख दावेदार डॉ. राजीव शर्मा, डॉ. राजीव अग्रवाल, मानव महाजन, डॉ. पुष्पेंद्र पचौरी, संजय गोयल, अनीता जैन, मनीष राय, मनोज अग्रवाल, वैभव गौतम, मधुलिका राघवजिला अध्यक्ष पद के लिए प्रमुख दावेदार कृष्णपाल सिंह लाला, सुरेश सिंह, शिवनारायण शर्मा, गौरव शर्मा, चंद्रमणि कौशिक, शेर सिंह, हरेंद्र कालू

श्री दिगम्बर जैन महासमिति के तत्वावधान में अलीगढ़ में होगा धर्म संसद का आयोजन

अहिंसा विश्व भारती और विश्व शांति केंद्र के संस्थापक विख्यात प्रखर वक्ता जैन अमे. रिकी राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित आचार्य डॉ लोकेश मुनि जी का मंगलायतन यूनिवर्सिटी में पुस्तक विमोचन के अवसर पर श्री दिगम्बर जैन महासमिति के प्रांतीय मंत्री राजीव जैन,प्रांतीय संयोजक मुनेश जैन आर.एम. डब्लू ने आशीर्वाद प्राप्त किया एवं अलीगढ़ नगर में जैन समाज को आशीर्वाद प्रदान करने हेतु एवं विश्व शांति हेतु धर्म संसद के कार्यक्रम में पधारने का निवेदन किया जिसको उन्होंने सहर्ष स्व. ीकार कर अप्रैल के प्रथम सप्ताह में कार्यक्रम के आयोजन में उपस्थित होने के लिए आश्वस्त किया ।महासमिति सकल जैन समाज के सहयोग से एक वृहद कार्यक्रम के आयोजन की तैयारी में जुट गई है। समिति के महामंत्री राजीव जैन बताया कि बहुमुखी विचारक, लेखक, कवि एवं समाज सुधारक पूज्य आचार्य डॉ. लो. केश मुनि जी पिछले 33 वर्षों से राष्ट्रीय चरित्र निर्माण, मानवीय मूल्यों के विकास तथा समाज में अहिंसा, शांति एवं परस्पर सहयोग की स्थापना के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। परम पूज्य आचार्य डॉ. लोक. ेश मुनि को भारत सरकार द्वारा विज्ञान भवन में आयोजित एक प्रतिष्ठित समारोह में श्राष्ट्रीय सांप्रदायिक सद्भाव पुरस्कार 2010श से सम्मानित किया गया। आचार्य जी को लंदन संसद में श्शांति के राजदूतश से सम्मानित किया जा चुका है। विश्व शांति और सांप्रदायिक सद्भाव के लिए उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए उन्हें यूनाइटेड पीस फेडरेशन द्वारा 2014 में संयुक्त राष्ट्र केंद्र में श्शांति के राजदूत पुरस्कारश से सम्मानित किया जा चुका है।

2006 में माननीया श्रीमती प्रतिभा पाटिल ने डॉ. लोकेश को अहिंसा, शांति और समाज में आपसी विश्वास की स्थापना में उनकी विशिष्ट सेवाओं के लिए गुलजारीलाल नंदा फाउंडेशन के प्रसिद्ध श्नैतिक सम्मानश से सम्मानित किया। अ. हिंसा, शांति और आपसी सहयोग के क्षेत्र में उनके विशिष्ट योगदान के लिए उन्हें दो बार मिलपिटास के मेयर के रूप में श्कीज ऑफ मिलपिटास सिटीश से सम्मा. नित किया जा चुका है। आचार्य डॉ. लो. केश मुनि को संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय, अमेरिका में भारत गौरव पुरस्कार से सम्मा. नित किया जा चुका है।परम पूज्य आचार्य डॉ. लोकेश मुनि ध्यान, योग और शांति शिक्षा के क्षेत्र में पारंगत हैं। उनका योगदान लोकप्रिय श्शांति शिक्षाश की विधा है जो प्राचीन ध्यान–योग और वर्तमान वै. ज्ञानिक अनुसंधान का संयोजन है। यह मनुष्य में पशु प्रवृत्ति को समाप्त करता है और मानवीय और आध्यात्मिक मूल्यों को जागृत करता है। आचार्य डॉ. लोकेश मुनि ने विश्व धर्म संसद, संयुक्त राष्ट्र संघ और लंदन संसद जैसे कई राष्ट्रीय और अंत. र्राष्ट्रीय मंचों से भाषण देकर भारतीय संस्कृति को गौरवान्वित किया है। इस अवसर पर मंगलायतन यूनिवर्सिटी के उप कुलपति श्री पी एस दशोरा जी भी उपस्थित रहे।

भारतीय जैन मिलन का राष्ट्रीय अधिवेशन आगामी 22 और 23 मार्च को होगा तीर्थधाम मंगलायतन में होगा भव्य आयोजन

अलीगढ़ |भारतीय जैन मिलन का 59 वां केंद्रीय परिषद का राष्ट्रीय अधिवेशन का आयोजन जैन मिलन परिवार अलीगढ़ के आतिथ्य में प्रथम बार आगामी 22 और 23 मार्च को तीर्थधाम मंगलायतन में आयोजित होने जा रहा है। वहीं रविवार को खिरनी गेट स्थित श्री लख्मीचंद पांड्या खंडेलवाल दिगम्बर जैन ट्रस्ट परिसर में आयोजित पत्रकार वार्ता में भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नरेश कुमार जैन,क्षेत्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार जैन गढ़ी,क्षेत्रीय कार्यकारी अध्यक्ष डॉ.पी.के. जैन,क्षेत्रीय उपाध्यक्ष संदीप जैन एवं मीडिया प्रभारी मयंक जैन ने संयुक्त रूप से बताया कि भारतीय जैन मिलन जैन समाज की सवा. ेच्च संस्था है जो समग्र जैन समाज को एकता व समरसता के सूत्र में पिरोकर समाज को जोड़ने का कार्य करती है जबकि इस अधिवेशन में केंद्रीय नव. निर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण एवं क्षेत्रीय अधिवेशन भी 23 मार्च को द्वितीय सत्र में संपन्न होगा और इस अधिवेशन के लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां शुरू हो गई हैं।अधिवेशन के मुख्य अतिथि डॉ.एस.के जैन,श्रीमती देवेंद्र कुमारी जैन जैन डायगनोस्टिक सेंटर, समारोह गौरव अनिल जैन पूनम जैन श्रीजी

ट्रेडर्स,अजय कुमार जैन नीरजा जैन अतिशय कोल्ड स्टोरेज हरदुआगंज, स्वागताध्यक्ष सुरेश कुमार जैन सरिता जैन गढ़ी,उद्घाटन कर्ता स्वप्निल जैन प्रिया जैन पावना ग्रुप,जैन समाज रत्न जगवीर किशोर जैन पूर्व एमएलसी,जैन समाज उद्योगपति बनारसी दास जैन पदमा जैन, चित्र अनावरण कर्ता डॉ.पी.के.जैन सीमा जैन,दीप प्रज्जवलन कर्ता नरेश कुमार जैन मीना जैन,समारोह के अतिथि संदीप जैन एडवोकेट,किट प्रदत्त कर्ता मनोज कुमार जैन लक्ष्मी जैन,हेमलता जैन और प्रसून जैन होंगे।आपको बता दें कि इस अधिवेशन में विभिन्न राज्यों के पदाधिकारी एवं सदस्य पधार रहे जिनका अभी से रजिस्ट्रेशन होना प्रारम्भ हो गया है जो आगामी 21 मार्च को तीर्थधाम मंगलायतन में पहुंचना प्रारंभ हो जायेगा जबकि इन सभी के आवास की व्यवस्था तीर्थधाम मंगलायतन एवं होटलों में की गई है।

महापौर प्रशान्त सिंघल ने अलीगढ़ की दिशा और दशा बदलने के लिए उक्त बजट धनराशि का सदुपयोग करते हुए विकास कार्यों को सभी पार्षद वार्डों में एकरूपता से करने की अपील की

नगर निगम बोर्ड ने सर्वसम्मति से पास किया बजटअलीगढ़ की दिशा व दशा बदलने के लिए 126801.48 लाख का बजट हुआ पास–महापौर की अध्यक्षता वाले बोर्ड ने विकास कार्यों के बजट पर लगाई स्वीकृत की मोहरमहापौर ने दोहराया संकल्प–शहर की दिशा व दशा बदलने के लिए सभी पार्षदों को एकजुट होकर कार्य करने की जरूरत–पार्षदों की समस्याओं पर कार्यवाही के लिए होगी हर माह बैठकनगर निगम कार्यकारणी समिति के विशेष प्रस्ताव संख्या–1 द्वारा अनुमोदित नगर निगम के पुनरीक्षित बजट 2024–25 के लिए महापौर प्रशांत सिंघल की अध्यक्षता में आहुत बजट अधिवेशन में 126801.48 लाख के बजट पर महापौर प्रशांत सिंहल की अगुवाई वाले नगर निगम बोर्ड ने सर्व समिति से अपनी सहमति की मोहर लगा दी है। रविवार साप्ताहिक अवकाश के दिन जवाहर भवन में आहुत बजट के बोर्ड अधिवेशन परंपरागत राष्ट्रीय गीत के साथ हुआ बोर्ड अधिवेशन में महापौर ने मिशन शक्ति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महिला पार्षदों से उनकी जनहित समस्याओं को बताने के लिए कहा सबसे पहले पार्षद डॉक्टर शबाना असलम ने सुकमा कंपनी के 3 करोड़ 57 लाख के बिल भुगतान को लेकर अपने सवाल पूछे जिसमें उन्होंने सुकमा कंपनी द्वारा कितने कर्मचारी लगाए गए हैं कितने वाहन लगाए गए हैं और कितने वाहनों को किस पेट्रोल पंप के माध्यम से इंधन दिया जा रहा है, पूछे गए सवाल के जवाब में सचिव सचिवालय सहायक नगर आयुक्त वीर सिंह ने अधिवेशन में उत्तर दिया कि उक्त प्रकरण के परीक्षण के लिए पर्यवेक्षण समिति का गठन किया गया है समिति द्वारा पर्यवेक्षण के उपरांत संबंधित एजेंसी को भुगतान करने का निर्णय लिया जाएगा 3 करोड़ 57 लाख के सापेक्ष फर्म को कोई भुगतान वर्तमान स्थिति तक नहीं किया गया हैमहापौर प्रशांत सिंघल की अनुमति से प्रभारी लेखाधिकारी ने सदन के समक्ष नगर निगम वित्तीय वर्ष 2024– 25 का बजट पढ़ना शुरू किया नगर निगम के प्रभारी लेखाधिकारी भरत दुबे ने बोर्ड के विशेष अधिवेशन में नगर निगम का बजट रखते हुए बताया कि नगर निगम अलीगढ़ का बजट (2024–25) की स्थिति निम्नवत् होगी रू 1– दिनांक 01.04.2024 को प्रारम्भिक अवशेष ₹35072.83 लाख2–बजट (2024–25) की अनुमानित प्रस्तावित आय ₹91728.66 लाखकुल योगरू–₹126801.48 लाख4–बजट (2024–25) का अनुमानित प्रस्तावित व्यय ₹112208.065–दिनांक 31.03.2025 को अनुमानित अन्तिम अवशेष ₹14593.42बोर्ड अधिवेशन में प्रभारी लेखाधिकारी भरत कुमार दुबे ने नगर निगम के 2024–25 के पुनरीक्षित बजट पर विस्तार से प्रस्तुत किया। प्रभारी लेखा अधिकारी ने पास हुए पुनरीक्षित बजट के संबंध में बताया कि 01 अप्रैल 2024 को प्रारंभिक अवशेष 35072.83 बजट 2024–25 की अनुमानित प्रस्तावित आय ₹ 91728.66 लाख कुल योग 126801.48 लाख का पास हुआ है। उन्होंने यह भी बताया कि बजट 2024–25 का अनुमानित प्रस्तावित व्यय 112208.06 लाख सहित दिनांक 31 मार्च 2025 को अनुमानित अंतिम अवशेष 14593.42 लाख को सर्वसम्मति से पास किया गया है।महापौर प्रशान्त सिंघल ने अलीगढ़ की दिशा और दशा बदलने के लिए उक्त बजट धनराशि का सदुपयोग करते हुए विकास कार्यों को सभी पार्षद वार्डों में एकरूपता से करने की अपील की। उन्होंने खुले मंच से कहा पार्षदों की जनहित समस्याओं को जानने के लिए हर महीने बैठक आहूत की जाएगीबोर्ड बैठक मे माननीय पार्षदगण कुलदीप पाण्डेय पुष्पेंद्र कुमार जादौन अनिल कुमार सेंगर संजय पंडित शेरसिंह सैनी योगेश सिंघल स्नेह सिंह बघेल राकेश ठाकुर दिनेश भारद्वाज मो. हम्मद हाफिज नूर अब्बासी मुशर्फ हुसैन मोहम्मद असलम शबाना असलम नूर अंशु अग्रवाल सुभाष चंद्र शर्मा महावीर सिंह नसी अहमद आजाद सिंह अगन लाल बॉबी कुमार सुनील कुमार पवन कुमार नरेंद्र कुमार सैनी रेनू सैनी पुष्पा देवी हरिशंकर सुरेंद्र प्रताप सिंह निरंजन सिंह मनोज कुमार योगेंद्र पाल सिंह शाहीन राजबहादुर मुनमुन खां मोहम्मद आदील रिहाना नीलाफेर सबा खां अमरीन निशा उस्मान खालिदा तबस्सुम हारून अब्दुल मुत्तलिब ओमवती सुमन देवी विमलेश सिंह पूनम रीनू सैनी रश्मि माहौर लाल सिंह पार्वती देवी वीनेश देवी राजकुमार दिनेश कुमार केला देवी विनोद कुमार करन कुमार सूरज माहौर हरिओम कुमार नीलम स्वर्ण लता हितेश कुमारी हिना सैफी आसिफ भूपेंद्र सिंह संजीव कुमार आमना बेगम छोटेलाल शर्मा आराधना मित्तल अफसाना दीपू शर्मा गंगा जोशी मोहम्मद जीनस नदीम हरीश कुमार नसरीन आशीया मोहम्मद शाकिर नईम अहमद अब्दुल मुतलिब अपर नगर आयुक्त राकेश कुमार यादव सचिव सि. चवालयध्सहायक नगर आयुक्त वीर सिंह मुख्य अभियंता सुरेश चंद मुख्य नगर लेखा परीक्षक जंग बहादुर सिंह अधिशासी अभियंता बिजेन्द्र पाल सहायक अभियंता सिफ्ते हैदर कर निर्धारण पुष्पेंद्र सिंह अधिकारी आरपी सिंह नगर निगम कर्मचारी संघ के अध्यक्ष संजय सक्सेना महामंत्री मानवेंद्र सिंह बघेल कर निरिक्षक बेचेन सिंह आरके कमल स्टेनो देशदीपक सतीश शर्मा मीडिया सहायक एहसान रब तरुण मोहन पाठक राजीव कुमार डॉ तरुण शर्मा आदि मौजूद थे।

हाथरस में दहेज हत्या के एक मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार

हाथरस में दहेज हत्या के एक मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मो. हल्ला अईयापुर में दो दिन पहले एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई थी। सूचना मिलने पर मृतका के परिजन भी यहां आ गए थे।मृतका के परिवार के लोगों ने ससुराल पक्ष पर दहेज की मांग पूरी न होने पर हत्या का आरोप लगाया था। कोतवाली सदर पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल कार्रवाई की। शव का पोस्टमार्टम कराया गया और दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया। इस विवाहिता की करीब 2 साल पहले शादी हुई थी।जांच के बाद पुलिस ने आज शाम मृतका के पति अभिषेक, ससुर विजयपाल और एक अन्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। तीनों आरोपी गांव अईयापुर, थाना कोतवाली सदर हाथरस के रहने वाले हैं। पुलिस ने तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया। वहां से इन तीनों को जेल भेज दिया गया।

हाथरस साइबर थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक साइबर ठग गिरोह का भंडाफोड

हाथरस साइबर थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक साइबर ठग गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने गाजियाबाद के लोनी से मुख्य आरोपी बिकुल कुमार उर्फ सोनू को गिरफ्तार किया है। आरोपी बिहार के मुजफ्फरपुर का रहने वाला है।मामला तब प्रकाश में आया जब पंजाब नेशनल बैंक के एक सहायक मैनेजर ने शिकायत दर्ज कराई। आरोपी ने उनसे करीब साढ़े 16 लाख रुपए की ठगी कर ली। आरोपी ने उन्हें पीएनबी मेटलाइफ टर्म प्लान में एजेंट कोड हटाने के लिए 25,000 रुपए की मांग की।साथ ही हर महीने 6,000 रुपए मिलने वाली नई पॉलिसी का लालच दिया। पीड़ित ने प्ङ्कै से पैसे भेज दिए। इसके बाद आरोपियों ने पॉलिसी फाइल में कमी बताकर कई बार अलग–अलग खातों में पैसे मंगवाए।पुलिस ने आरोपी से 5 मोबाइल फोन, 3 चेकबुक, 2 एटीएम, 4 आधार कार्ड, 1 पैन कार्ड, 3 मतदाता पहचान पत्र और 4,140 रुपए नकद बरामद किए हैं। जांच में पता चला कि गिरोह फर्जी आधार कार्ड से बैंक खाते खोलता था। साइबर कैफे से लोगों को बीमा पॉलिसी और पैसे दोगुना करने का झांसा देकर रकम ट्रांसफर करवा लेता था। फिर मोबाइल नंबर बंद कर देता था।पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा के अनुसार, आरोपी फर्जी दस्तावेजों से सिम कार्ड भी प्राप्त करते थे। पुलिस गिरोह के दो अन्य सदस्यों की तलाश कर रही है। मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

गौरक्षा दल कासगंज का तहसील स्तरीय होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया

कासगंज।संवावदाता इंद्रपाल राजपूत पटियाली नगर के सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में गौरक्षा दल कासगंज का तहसील स्तरीय होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि डॉ अमित कुमार मिश्रा वरिष्ठ अतिथि ध्रुव यादव मुख्य वक्ता अंबुज द्विवेदी सोशल मीडिया संयोजक विद्यार्थी परिषद की मौजूदगी में संपन्न हुआ गौ रक्षा दल जिला अध्यक्ष भगत सिंह आलोक ने क्षेत्र में हो रहा है गौ माता के साथ अत्याचार को रोकने के लिए उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित किया वहीं नगर सोशल मीडिया सयोजक विधार्थी परिषद अम्बुज द्विवेदी ने बताया गाय के दूध में 16 प्रकार के मिनरल्स होते हैं. आयुर्वेद के अनुसार भी मां के दूध के बाद बच्चे के लिए गाय का दूध ही सबसे ज्यादा फायदेमंद होता है। इस तरह गाय की मदद से ही बच्चे का पोषण होता है

इसलिए गाय को मां का दर्जा दिया गया है. हिंदू धर्म–शास्त्रों के अनुसार गौ माता की पूजा करने से मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। अगर गाय को किसी भी प्रकार से अत्याचार करेगा ऐसे व्यक्ति कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मुख्य अतिथि डॉक्टर अमित मिश्रा ने बताया सभी कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाते हुए आगे की कार्य योजना बताई गई इस के रूप में मुख्य अतिथि के डॉ० अमित कुमार मिश्रा वरिष्ठ अतिथि ध्रुव कुमार यादव, मुख्य वक्ता अम्बुज द्विवेदी नगर सोशल मीडिया सयोजक विधार्थी परिषद , अंकित उपाध्याय मंडल उपाध्यक्ष भाजपा, जिला उपाध्यक्ष शिव ठाकुर, आलोक कुमार, दुष्यंत राठौर, रुद्र यादव, नितेश आदि लोग रुप से उपस्थित रहें।

एटा के शहीद पार्क में दिव्यांग और मूक बाधिर लोगों ने होली का त्योहार धूमधाम से मनाया

एटा के शहीद पार्क में दिव्यांग और मूक बाधिर लोगों ने होली का त्योहार धूमधाम से मनाया। बाधिर चौरिटेबल ट्रस्ट के बैनर तले आयोजित इस होली मिलन समारोह में एटा के साथ कासगंज, आगरा, जैथरा, कानपुर और टूंडला से भी लोग शामिल हुए। समारोह में सभी ने एक–दूसरे को रंग–गुलाल लगाकर होली की खुशियां बा. ंटी। इस दौरान सभी ने आपसी भाईचारे का परिचय दिया।ट्रस्ट के अध्यक्ष नितिन गुप्ता ने बताया कि होली के पावन अवसर पर दिव्यांग और मूक बाधिर लोगों के लिए यह विशेष आयोजन किया गया। एटा और आसपास के जिलों से आए लोगों ने रंग–गुलाल और अबीर लगाकर कार्यक्रम में बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया।

तीर्थनगरी में कछला गेट, सहावर गेट और लहरा रोड पर अवैध रूप से टेंपो स्टैंड बन गए

सोरोंजी : तीर्थनगरी में अवैध टेंपो स्टैंड जाम का कारण बनते हैं। तीर्थनगरी में कछला गेट, सहावर गेट और लहरा रोड पर अवैध रूप से टेंपो स्टैंड बन गए हैं, जिसके कारण मार्ग पर जाम की स्थिति बनी रहती है। लोगों ने जिलाधिकारी से टेंपो स्टैंड को कस्बे से बाहर बनाने की मांग की है।तीर्थनगरी में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का आवागमन रहता है, लेकिन जगह–जगह बने अवैध टेंपो स्टैंड के कारण जाम की स्थिति से श्रद्धालुओं को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ता है। अक्सर कछला गेट, सहावर गेट और लहरा रोड पर अवैध टेंपो स्टैंड पर टेंपो खड़े रहने के कारण जाम लगता है, जिससे लोगों को निकलने में कठिनाई होती है। कई बार टेंपो चालक सवारियों को अपने टेंपो में बैठाने के लिए सड़क पर आड़ा–तिरछा वाहन खड़ा कर लेते हैं, जिससे मार्ग पर दूसरे वाहनों के निकलने के लिए जगह कम रह जाती है और जाम लग जाता है। सबसे अधिक परेशानी शाम चार बजे के बाद होती है। तीर्थनगरी के पंकज, राजेश, सुमित, वीरेश, भूपेश सहित अन्य लोगों ने जिलाधिकारी से अवैध टेंपो स्टैंड हटवाने की मांग की है।

कासगंज थाना सुन्नगढ़ी पुलिस ने एसओजी और सर्विलांस टीम के साथ मिलकर गोकशी के मामले में वांछित चल रहे आरोपी को गिरफ्तार

कासगंज : थाना सुन्नगढ़ी पुलिस ने एसओजी और सर्विलांस टीम के साथ मिलकर गोकशी के मामले में वांछित चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से एक तमंचा, कारतूस, गंडासा, छुरा और दो रस्सियां बरामद हुई हैं। पुलिस ने आरोपी को पूछताछ के बाद न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।सुन्नगढ़ी थाना क्षेत्र के कं. चनपुर गांव के जंगल में 16 फरवरी को गोवंशों के अवशेष मिले थे। नागर निवासी राजू पुत्र महेश चंद्र ने थाने में तहरीर देकर अज्ञात गोवंश तस्करों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। जांच–पड़ताल के बाद पुलिस ने दो आरोपियों को पहले ही जेल भेज दिया था, जबकि तीसरा आरोपी बोबी पुत्र रहूफ निवासी सुजावलपुर फरार चल रहा था। पुलिस ने शनिवार की रात उसे जंगल से गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से एक तमंचा, कारतूस, गोवंशों को काटने वाला गंडासा, छुरा और दो रस्सियां बरामद हुईं। सुन्नगढ़ी थाना अध्यक्ष उमाशंकर ने बताया कि आरोपी के खिलाफ पहले भी गोकशी के मामले दर्ज हैं। आरोपी को पूछ. ताछ के बाद न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

कासगंज में कार की किस्त को लेकर किसान संगठन के कार्यकर्ताओं और फाइनेंसर के बीच जमकर मारपीट

कासगंज में कार की किस्त को लेकर किसान संगठन के कार्यकर्ताओं और फाइनेंसर के बीच जमकर मारपीट हुई। यह घटना कासगंज–बरेली मार्ग स्थित राज कोल्ड तिराहे पर हुई।अलीगढ़ के किसान संगठन के कार्यकर्ता गंज डुंडवारा जा रहे थे। इसी दौरान फाइनेंसर ने किसान नेता जीशान की आर्टिका कार को रोक लिया। फाइनेंसर का कहना था कि कार फाइनेंस पर है और इसकी किस्त जमा नहीं हुई है।इस बात को लेकर किसान कार्यकर्ता भड़क गए। दोनों पक्षों के बीच लाठी–डंडों से मारपीट शुरू हो गई। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस। आरोपी पुलिस को देखकर भागने लगे। पुलिस ने दौड़ाकर उन्हें पकड़ लिया और थाने ले गई। किसान नेता जीशान ने फाइनेंसर के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

9 मार्च लंबे समय से बिजली आपूर्ति में वोल्टेज की आ रही समस्या से परेशान किसानों का फूटा गुस्सा

बागवाला, 9 माचर्रू लंबे समय से बिजली आपूर्ति में वोल्टेज की आ रही समस्या से परेशान किसानों का गुस्सा आखिरकार फूट पड़ा। शनिवार से किसानों ने बागवाला विद्युत सब–स्टेशन के परसोंन फीडर पर शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है। किसानों का कहना है कि जेई की अवैध वसूली तथा क्षेत्र में न रहने से महीनों से फीडर पर वोल्टेज की आपूर्ति सही तरीके से नहीं की जा रही, जिससे समरसेबल पंप नहीं चल पा रहे हैंऔर किसानों की गेंहू की फसल बर्बादी के कगार पर पहुंच गई है। मार्क्स वादी कम्युनिस्ट पार्टी के किसान नेता दलवीर सिंह यादव ने बताया किअभी 20 दिन पूर्व किसानों ने अधिशासी अभियन्ता को ज्ञापन सौंपा गया था उसके बाद भी सुधार न होने पर गर्मी के बढ़ते प्रकोप के कारण खेतों में खड़ी फसल सूखने की कगार पर पहुंच चुकी है जिससे किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने कई बार बिजली विभाग के अधिकारियों से शिकायत की, क्षेत्रीय जेई से वोल्टेज की समस्या का समाधान करने के लिए बोला लेकिन कोई ठोस समाधान नहीं निकला। किसानों का आरोप है कि बार–बार चेतावनी देने के बावजूद विभाग के अधिकारी समस्या को नजरअंदाज कर रहे हैं। आज आक्रोशित किसानों ने बिजली विभाग की लापरवाही के खिलाफ बागवाला फीडर को घेर लिया और अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जब तक बिजली आपूर्ति सुचारू नहीं होती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। धरना स्थल पर जुटे किसानों ने प्रशासन और बिजली विभाग से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उनका कहना है कि अगर जल्द समाधान नहीं निकला तो वे अपना प्रदर्शन और तेज करेंगे। दूसरी ओर, बिजली विभाग के अधिकारियों ने स्थिति पर प्रतिक्रिया नहीं दी है।जेई विजय कुमार ने फोन नहीं उठाया । किसानों के इस आंदोलन प्रारंभ करने के बाद मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव राजाराम यादव ने बिजली विभाग के उच्च अधिकारियों से समाधान की मांग की है साथ ही उन्होंने चेतावनी दी है अगर 24 घंटे में समस्या का समाधान नहीं हुआ तो बाघ वाला तथा जनपद मुख्यालय पर किसानों का धरना प्रारंभ कर दिया जाएगा वहीं अखिल भारतीय जनहित किसान संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल कुमार ने प्रदेश के मुख्यमंत्री से क्षेत्रीय जेई के खिलाफ किसानों की समस्या का समाधान न करने पर कार्रवाई की मांग की है किसानों के बिजली विभाग के खिलाफ धरना प्रदर्शन पर क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। प्रशासन पर अब दबाव बढ़ता जा रहा है कि वह जल्द से जल्द इस समस्या का हल निकाले, ताकि किसानों की फसल बर्बाद होने से बच सके। विद्युत विभाग के चीफ संदीप पांडेय ने किसानों के धरने की पूछने पर कहा की अभी मैं अधिशासी अभियन्ता से बोलकर तुरंत समस्या का समाधान करता हूं। किसानों को किसी भी समस्या के लिए 1912 पर काल करके शिकायत दर्ज करानी चाहिए।

सदर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम खुर्रमपुर में युवक . का शव मकान में फंदे पर लटका मिला

कासगंज रू सदर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम खुर्रमपुर में युवक का शव मकान में फंदे पर लटका मिला। उसकी मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। मौके पर पहुंची फोरेंसिक टीम ने नमूने संग्रहित किए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।कोतवाली क्षेत्र के ग्राम खुर्रमपुर निवासी विजय (40) पुत्र मुन्नालाल शनिवार की रात अपने कमरे में सो रहा था। सुबह जब वह काफी देर तक बाहर नहीं आया तो परिजनों ने उसे आवाज लगाई। जब कोई उत्तर नहीं मिला, तो उन्होंने कमरे में जाकर देखा तो उसका शव गमछे से बने फंदे पर लटका हुआ था। यह देख परिजनों में

कोहराम मच गया। उनकी चीख–पुकार सुनकर आसपास के लोग भी एकत्र हो गए। मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंच गई। फोरेंसिक टीम ने मौके से नमूने व फिंगरप्रिंट संग्रहित किए। पुलिस ने शव को फंदे से उतरवाकर पंचनामा की कार. ंवाई पूरी कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। कोतवाली प्रभारी लोकेश भाटी ने बताया कि युवक ने आत्महत्या की है, फिर भी पुलिस हर पहलू पर जांच कर रही है। शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

रविवार दोपहर कासगंज–अमांपुर रोड पर बाइक सवारों और टेंपो में टक्कर हो गई

कासगंज :संवावदाता इंद्रपाल राजपूत रविवार दोपहर कासगंज–अमांपुर रोड पर बाइक सवारों और टेंपो में टक्कर हो गई। हादसे में एक बुजुर्ग की मौत हो गई, जबकि छह अन्य लोग घायल हो गए। उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया है। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।अमांपुर के टोडरपुर निवासी मानिकचंद्र (60), रोशनी पुत्री संतोष निवासी ग्राम जंगाली, टेंपो चालक विजय पुत्र अवधेश निवासी नगला पीरी, चेतन सोलंकी निवासी सरसई नरू टेंपो में सवार होकर अमांपुर से कासगंज आ रहे थे। वहीं, बाइक सवार विवेक पुत्र सुदेश, मोनू पुत्र राघवेंद्र, जितेंद्र पुत्र अवधेश निवासी नगला सेवका अमांपुर से कासगंज अपने गांव वापस जा रहे थे। मार्ग में बाइक और टेंपो में टक्कर हो गई, जिससे टेंपो

अनियंत्रित होकर पलट गया।हादसे के बाद चीख–पुकार मच गई। राहगीर मौके पर एकत्र हो गए। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर भर्ती कराया गया। हादसे में गंभीर रूप से घायल मा. निकचंद्र, मोनू, विवेक और ऑटो चालक विजय की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें जिला अस्पताल कासगंज रेफर कर दिया गया। जहां डॉक्टरों ने मानिकचंद्र को मृत घोषित कर दिया। मोनू को मेडिकल कॉलेज अलीगढ़ रेफर कर दिया गया।मानिकचंद्र की मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। अमांपुर थाना प्रभारी सुमित त्रिपाठी ने बताया कि दोनों वाहन पुलिस की हिरासत में हैं। मृतक के परिजनों की ओर से अभी कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

पटियाली तहसील के मोहनपुर कस्बे में चल रही श्रीमद्भागवत . साप्ताहिक कथा का छठा दिन रविवार को संपन्न हुआ

पटियाली तहसील के मोहनपुर कस्बे में चल रही श्रीमद्भागवत साप्ताहिक कथा का छठा दिन रविवार को संपन्न हुआ। चेयरमैन पुनीत यादव के नेतृत्व में आयोजित कथा में आचार्य रिंकू शास्त्री ने गोवर्धन पूजा की महिमा का विशेष वर्णन किया।आचार्य शास्त्री ने बताया कि गोवर्धन पूजा की परंपरा भगवान श्रीकृष्ण के समय से चली आ रही है। उन्होंने कहा कि जब इंद्रदेव ने ब्रज पर भारी वर्षा की, तब श्रीकृष्ण ने अपनी कनिष्ठ उंगली पर गोवर्धन पर्वत उठाकर ब्रजवासियों की रक्षा की। सात दिनों तक श्रीकृष्ण ने पर्वत को धारण किया और लोगों को प्रलय से बचाया।इंद्रदेव को जब अपनी गलती का एहसास हुआ, तब उन्होंने श्रीकृष्ण से क्षमा याचना की। उन्होंने भगवान की पूजा की और अन्नकूट भोग अर्पित किया। कथा के दौरान पंडाल में श्रद्धालुओं ने श्गोवर्धन महाराज की जयश के जयकारे लगाए। कार्यक्रम में महावीर सिंह यादव, शकुंतला यादव, पुनीत यादव, रंजीत यादव, कन्हैया यादव, योगेंद्र यादव, विकास यादव, आदेश यादव, कश्मीर सिंह यादव, अवधेश यादव और सोनू यादव सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

ढोलना क्षेत्र के ग्राम नगला गुलरिया में दस दिनों से विद्युत आपूर्ति बाधित, ग्रामीण परेशान

ढोलना ढोलना क्षेत्र के ग्राम नगला गुलरिया में दस दिनों से विद्युत आपूर्ति बाधित है, जिससे ग्रामीण परेशान हैं। दस दिनों से ग्रामीण अंधेरे में हैं, जिससे उनमें आक्रोश है। किसान फसलों की सिंचाई के लिए परेशान हैं। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से समस्या के समाधान की मांग की है।ग्रामीणों का कहना है कि एक मार्च को ओलावृष्टि और तेज आंधी के कारण गांव के दो पोल टूट गए, जिससे उन पर रखा ट्रांसफार्मर जमीन पर गिर गया और लाइनें टूट गईं। इसके बाद विद्युत निगम को सूचना दी गई, लेकिन अभी तक नए पोल नहीं लगे हैं और ट्रांसफार्मर भी खराब पड़े हैं, जिससे गांव में दस दिनों से बिजली नहीं आ रही है।गांव के किसानों की फसलें सूख रही हैं, और वे सिंचाई के लिए परेशान हैं। ग्रामीण मोबाइल चार्ज करने के लिए दूसरे गांव जा रहे हैं। अब मौसम भी गर्म होने लगा है, बिजली आपूर्ति न होने से दिक्कतें बढ़ गई हैं। रात में अंधेरा

रहने के कारण चोरी जैसी घटनाओं की आशंका बनी हुई है।दस दिनों से बिजली की आपूर्ति बाधित है, जिससे ग्रामीणों को दिक्कतें हो रही हैं। शीघ्र पोल बदलवाकर ट्रांसफार्मर लगवाया जाए– पोल टूटे होने और ट्रांसफार्मर जमीन पर गिरे होने के कारण बिजली की आपूर्ति ठप है। समस्या का शीघ्र समाधान कराया नेम सिंह, इंद्रपाल सिंह, सुरेश कुमार, नाथू सिंह, मूलचंद, चरण सिंह, अखिलेश कुमार, धर्मेंद्र कुमार, सतीश चंद्र, रूपेश कुमार, वीर सिंह आदि।

आमलकी एकादशी व्रत दुष्टों से रक्षा करता है

आमलकी एकादशी 10 मार्च को है. ये व्रत सौ गायों का दान करने के समान पुण्य देता है

जगत के पालनहार भगवान विष्णु को एकादशी व्रत बेहद प्रिय है. पुराणों के अनुसार जो व्यक्ति एकादशी व्रत करता है उसे बैकुंठ धाम की प्राप्ति होती है, संसार के सभी दोष, दुख, रोग से मुक्ति पाकर वो मोक्ष को जाता है.फाल्गुन में होली से पहले आने वाले एकादशी को आमलकी और रंगभरी एकादशी के नाम से जाना जाता है. आमलकी एकादशी व्रत का पुण्य एक सहस्र गौदान के फल के समान है. इस व्रत में कथा का पाठ जरुर करे, तभी इसकी पुण्य की प्राप्ति होती है. इस साल आमलकी एकादशी 10 मार्च 2025 को है. आमलकी एकादशी की संपूर्ण कथा पौराणिक कथा के अनुसार प्राचीन समय में वैदिक नाम का एक नगर था. उस नगर में ब्राह्मण, वैश्य, क्षत्रिय, शूद्र, चारों वर्ण के मनुष्य प्रसन्तापूर्वक निवास करते थे. उस नगर में चौत्ररथ नामक चन्द्रवंशी राजा राज्य करता था. वह उच्चकोटि का विद्वान तथा धार्मिक प्रवृत्ति का व्यक्ति था, उसके राज्य में कोई भी निर्धन एवं लोभी नहीं था. एक बार फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की आमलकी नामक एकादशी आयी. उस दिन राजा एवं प्रत्येक प्रजाजन, वृद्ध से बालक तक ने आनन्दपूर्वक उस एकादशी को उपवास किया. उस मन्दिर में रात को सभी ने जागरण किया. रात के समय उस स्थान पर एक बहेलिया आया. वह महापापी तथा दुराचारी था.अपने कुटुम्ब का पालन वह जीव–हिंसा करके करता था. वह भूख–प्यास से अत्यन्त व्याकुल था, कुछ भोजन पाने की इच्छा से वह मन्दिर के एक कोने में बैठ गया.उस स्थान पर बैठकर वह भगवान विष्णु की कथा तथा एकादशी माहात्म्य सुनने लगा। इस प्रकार उस बहेलिये ने सम्पूर्ण रात्रि अन्य लोगों के साथ जागरण कर व्यतीत की. प्रातःकाल सभी लोग अपने–अपने निवास पर चले गये. इसी प्रकार वह बहेलिया भी अपने घर चला गया और वहाँ जाकर भोजन किया. कुछ समय व्यतीत होने के पश्चात उस बहेलिये की मृत्यु हो गयी.हालाँकि, जीव–हिंसा करने के कारण वह घोर नरक का भागी था, परन्तु उस दिन आमलकी एकादशी व्रत तथा जागरण के प्रभाव से उसने राजा विदुरथ के यहाँ जन्म लिया. उसका नाम वसुरथ रखा गया. बड़ा होने पर वह चतुरङ्गिणी सेना सहित तथा धन–धान्य से युक्त होकर दस सहस्र ग्रामों का संचालन करने लगा. वह प्रजा का समान भाव से पालन करता था। दान देना उसका नित्य का कर्म था. एक समय राजा वसुरथ शिकार खेलने के लिये गया. दैवयोग से वन में वह रास्ता भटक गया. वह एक वृक्ष के नीचे सो गया. डाकू वहां आए और कहने लगे कि, ष्इस दुष्ट राजा ने हमारे माता–पिता, पुत्र–पौत्र आदि समस्त सम्बन्धियों को मारा है तथा देश से निकाल दिया. अब इससे बदला लेना चाहिए. डाकुओं ने राजा पर आक्रमण किया. वह अस्त्र–शस्त्र राजा के शरीर से स्पर्श होते ही नष्ट होने लगे इसके बाद डाकू स्वंय मूर्चि्छत हो गये.उसी समय राजा के शरीर से एक दिव्य देवी प्रकट हुई. उसने देखते–ही–देखते उन सभी डाकुओं का समूल नाश कर दिया. राजा डाकुओं को मृत देख आश्चर्य में पड़ गया. उस समय आकाशवाणी हुयी –हे राजन! इस संसार में भगवान विष्णु के अतिरिक्त तेरी रक्षा कौन कर सकता है!महर्षि वशिष्ठ ने कहा– ष्हे राजन! यह सब आमलकी एकादशी के व्रत का प्रभाव था, जो मनुष्य एक भी आमलकी एकादशी का व्रत करता है, वह प्रत्येक कार्य में सफल होता है तथा अन्त में वैकुण्ठ धाम को पाता है.

होली से पहले घर लें आएं ये 5 चीजें, मां लक्ष्मी की बरसेगी कृपा, होगा धन लाभ

इस साल होलिका दहन 13 मार्च 2025 को है और इसके अगले दिन होली खेली जाएगी. रंगों का ये त्योहार होली परिवार में सुख और अपार प्रेम लेकर आता है. होली पर या होलिक दहन से पहले कई लोग वास्तु अनुसार उपाय करते हैं.मान्यता है इससे रोग, दोष, मानसिक और आर्थिक परेशानी से छुटकारा मिलता है. होली से पहले कुछ चीजों को घर लाने से व्यक्ति की सोई किस्मत जाग उठती है, सक. ारात्मक ऊर्जा का प्रवाह घर में बढ़ता है, साथ ही धन लक्ष्मी घर में वास करती हैं. होली से पहले घर में लाएं ये चीजेंचांदी का सिक्का – होलिका दहन के दिन फाल्गुन पूर्णिमा होती है, इस दिन घर में चांदी का सिक्का, चांदी का हाथी लाना शुभ होता है. चांदी का सिक्का घर लाने से माता लक्ष्मी प्रसन्न होती है. इस दिन चांदी के सिक्के की पूजा कर इसे लाल कपड़े में बांधकर तिजोरी में रख लें मान्यता है इससे घर में बरकत आती है. मां लक्ष्मी घर में वास करती हैं. इस दिन चांदी की बिछिया या पायल भी खरीद सकते हैं.बंद. नवार – वास्तुशास्त्र के अनुसार, घर के मुख्य द्वार पर बंदनवार यानी तोरण लगाने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है. इसलिए होली पर्व से पहले अपने घर पर मुख्य द्वार पर तोरण लगाएं. इससे से सकारात्मकता ऊर्जा का संचार बढ़ता है.बांस का पौधा – वास्तु में बांस का पौधा यानी बैम्बू ट्री को लकी प्लांट माना जाता है. होली पर आप अपने घर में बैम्बू ट्री भी ला सकते हैं. घर या ऑफिस में बांस का पौधा लगाने से अच्छे भाग्य की शुरुआत होती है एवं सुख–शांति और समृद्धि बनी रहती है.
कछुआ – कछुए को भगवत स्वरुप माना जाता है. माना जाता है कि अगर आप होली पर्व पर धातु से बना कछुआ घर में लाते हैं तो इससे मां लक्ष्मी की कृपा घर पर बनी रहती है. लेकिन ध्यान रखें कि कछुए की पीठ पर श्रीयंत्र या कुबेर यंत्र बना होना चाहिए. होलिका की राख – होली से पहले होलिका दहन की पूजा होती है. अगले दिन होली पर होलिका की राख घर लाकर लाल कपड़े में बांधकर तिजोरी में रखे लें. कहते हैं इससे दरिद्रता दूर होती है.

होली के 5 दिन बाद रंग पंचमी क्यों मनाई जाती है

दिवाली की तरह ही होली का पर्व भी 5 दिन तक चलता है. होलिका दहन से शुरू होने वाले रंगोत्सव का समापन रंग पंचमी पर होता है. रंग पंचमी वैसे तो पूरे भारत में मनाया जाता है लेकिन इंदौर में इसकी रौनक खास होती है.धर्मग्रंथों के अनुसार रंग पंचमी का त्योहार तामसिक गुण और राजसिक गुण पर सत्वगुण की जीत का प्रतीक है. इस साल रंग पंचमी 2025 में किस दिन मनाई जाएगी, इसका महत्व क्या है.क्यों मनाते हैं रंग पंचमी ?
चौत्र माह के कृष्ण पक्ष की पंचमी तिथि पर रंग पंचमी मनाई जाती है. धार्मिक मान्यता है कि रंग पंचमी के दिन देवी–देवता होली खेलने के लिए धरतीलोक पर आते हैं और अपने भक्तों की सभी मनोकामना सुनते हैं. देवी देवताओं संग होली खेलने के लिए इस दिन हवा में रंग उड़ाए जाते हैं क्योंकि देवगण वायु रूप में धरती पर आते हैं. रंगों के सूक्ष्म कण देवताओं को होली खेलने के लिए आमंत्रित करते हैं. रंग पंचमी के दिन देवी–देवताओं के साथ होली खेलने से सभी दुःख दर्द दूर हो जाती हैं, ऐसी मान्यता है.रंग पंचमी 2025 में कब हर वर्ष रंग पंचमी का पर्व धुलेंडी यानी रंगों वाली होली के पांचवे दिन मनाते हैं. रंग पंचमी 19 मार्च 2025 को है. रंग पंचमी का त्योहार इसके अलावा रंग पंचमी को श्रीप. ंचमी या देव पंचमी भी कहा जाता है.
चौत्र कृष्ण पंचमी तिथि शुरू –
18 मार्च 2025, रात 10.09चौत्र कृष्ण पंचमी तिथि समाप्त – 19 मार्च 2025, प्रात 12. 36रंग पंचमी का महत्व रंग पंचमी के त्योहार से जुड़ा एक और महत्व ये है कि पांच तत्व को सक्रिय करने में मदद करता है जो ब्रह्मांड के निर्माण का समर्थन करते हैं.
इन 5 प्रमुख तत्वों में हवा, आकाश, जल, पृथ्वी और अग्नि है. मनुष्य का शरीर भी इन्हीं पांच तत्वों से बना है. मान्यता के अनुसार इन तत्वों का आव्हान मानव जीवन में संतुलन की बहाली का समर्थन करता है, ये मानव के आध्यात्मिक विकास का भी समर्थन करता है.

शनि की साढ़े साती में क्या होता है, क्या इससे घबराना चाहिए?

ज्योतिष शास्त्र में शनि को सबसे प्रमुख ग्रह माना जाता है. शनि ऐसे ग्रह हैं जोकि हर व्यक्ति को शुभ और अशुभ दोनों ही फल देते हैं. क्योंकि शनि कर्म के आधार पर फल देने वाले देव हैं. शनि की साढ़े साती का नाम सुनते ही लोगों के मन में डर बैठ जाता है. क्योंकि लोगों के बीच ऐसी धारणा बनी हुई है कि साढ़े साती के दौरान का समय किसी व्यक्ति के लिए बहुत ही खतरनाक होता है और इस समय शनि दंडित करते हैं. लेकिन क्या वाकई शनि की साढ़े साती से घबराने की जरूरत है? आइए जानते हैं.शनि की साढ़े साती क्या होती है शनि की साढ़े साती के दौरान मिलने वाले अच्छे–बुरे परिणामों को जानने से पहले यह जानना जरूरी है कि आखिर साढ़े साती होती क्या है. ज्योतिषाचार्य अनीष व्यास बताते हैं कि शनि सभी ग्रहों में सबसे मंद गति से चलने वाले ग्रह है. शनि की साढ़े साती से आप कितना भी भयभीत हों लें. लेकिन हर किसी के जीवन में एक बार शनि की साढ़े साती जरूर लगती है. साढ़े साती किसी एक राशि में साढ़े सात साल तक रहती है, जबकि शनि एक राशि में ढाई साल तक विराजमान रहते हैं. इस तरह से एक राशि का चक्र पूरा करने में शनि को 30 सालों का समय लग जाता है. शनि जब किसी राशि में गोचर करते हैं तो उस पर साढ़े साती लगती है. लेकिन इसके साथ ही उस राशि की अगली और पिछली राशि में भी साढ़े साती का प्रभाव पड़ता है. इसे विस्तार के लिए जानने के लिए जानते हैं कि आखिर साढ़े साती काम कैसे करती है.बता दें कि साढ़े साती तीन चरणों में काम करती है. इसमें पहला, दूसरा और तीसरा तीन चरण होते हैं. जब किसी राशि पर शनि की साढ़े साती के चरण की शुरुआत होती है तो इसे हम पहला चरण कहते हैं जोकि ढाई वर्षों का होता है. ढाई वर्ष के बाद दूसरा चरण शुरू हो जाता है और इसके ढाई वर्ष के बाद तीसरा चरण शुरू होता है. इस तरह से कुल मिलाकर साढ़े साती के तीन चरण साढ़े सात साल का होता है. शनि की साढ़े साती का पहला– व्यक्ति के जन्म की राशि से रहले वाली राशि में शनि में होता है साढ़े साती की शुरुआत होती है. पहला चरण ढाई साल का होता है और इसे साढ़े साती चढ़नी शुरू होती है.शनि की साढ़े साती का दूसरा चरण– दूसरा चरण भी ढाई साल का होता है. शनि जब गोचर होता है तो शनि किसी राशि में प्रवेश करते हैं तो उस राशि में साढ़ेसाती का दूसरा चरण शुरू होता है. दूसरे चरण में साढ़े साती के बीच के ढ़ाई साल होते हैं. यह चरण कष्टकारी माना जाता है.शनि की साढ़े साती का तीसरा चरण– शनि गोचर करते हुए जन्म राशि से निकलकर अगली राशि में प्रवेश करते हैं तो यह साढ़े साती का आखिरी चरण कहलाता है. यह भी ढाई वर्ष का होता है और इसमें शनि जातक को शुभ फल प्रदान करते हैं.क्या शनि की साढ़े साती से घबराने की जरूरत है शनि की साढ़ेसाती का नाम सुनते ही लोग डर जाते हैं. लेकिन हमेशा ही साढ़े साती से घबराने की जरूरत नहीं है, क्योंकि यह ऐसा समय होता है जब व्यक्ति ठीक उसी तरह से निखरता है जैसे एक कुम्हार गीली मिट्टी को निखारते हुए सुंदर बर्तन का आकर देता है. दरअसल साढ़े साती में हमेशा ही अशुभ फल मिले ऐसा जरूरी नहीं है. साढ़े साती में शुभता या अशुभता इस बात पर निर्भर करती है कि कुंडली में शनि की स्थिति कैसी है और साथ ही साथ व्यक्ति के कर्म कैसे हैं. कुंडली में अगर शनि नीच राशि, निर्बल, शत्रु क्षेत्र में या फिर अशुभ स्थान में हो तो ऐसे में साढ़े साती के दौरान शनि कुपित होकर अशुभ फल देते हैं.

होली 14 मार्च 2025 को मनाई जाएगी और इसी दिन साल का पहला चंद्र ग्रहण

होली 14 मार्च 2025 को मनाई जाएगी और इसी दिन साल का पहला चंद्र ग्रहण लगने जा रहा है। 14 मार्च को इस बार ग्रहों के राजा सूर्य भी मीन राशि में गोचर करने जा रहे हैं, जिससे 100 साल बाद सूर्य गोचर और चंद्र ग्रहण का दुर्लभ संयोग बनने जा रहा है। इस खगोलीय घटना का प्रभाव ज्योतिषीय दृष्टि से खास रहेगा और इसका कुछ राशियों पर विशेष लाभ हो सकता है। इस दिन सूर्य और चंद्रमा के गोचर और ग्रहण के कारण कुछ राशियों को सकारात्मक ऊर्जा मिलेगी और उनके जीवन में कुछ अच्छे बदलाव आ सकते हैं। आइए जानते है ज्योतिषी चिराग दारूवाला से वो राशियां कौनसी सी है जिन्हें इस खास संयोग से ज्यादा लाभ मिल सकता है।1. वृषभ वृष राशि वालों के लिए यह संयोग काफी लाभकारी हो सकता है। सूर्य गोचर और चंद्र ग्रहण के प्रभाव से उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा और उन्हें अपनी मेहनत का फल मिलेगा। इस दौरान करियर और व्यापार में नए अवसर मिल सकते हैं और मानसिक शांति भी मिलेगी। व्यापार में कई गुना अधिक मुनाफा हो सकता है। धन–संपत्ति में वृद्धि होगी। इस दुर्लभ संयोग के प्रभाव से वृषभ राशि के जातकों की मेहनत को पहचान मिलेगी और वे अपने लक्ष्य को आसानी से प्राप्त कर पाएंगे।2. मिथुन मिथुन राशि के जातकों को इस संयोग से काफी लाभ मिलने की संभावना है। यह समय उनके लिए आर्थिक और पेशेवर जीवन में उन्नति का हो सकता है। चंद्र ग्रहण और सूर्य गोचर के दौरान मिथुन राशि के जातकों को अपने काम में स्थिरता और सफलता देखने को मिल सकती है। साथ ही वे निजी और पारिवारिक जीवन में सामंजस्य बनाए रखेंगे और मानसिक शांति का अनुभव करेंगे। धन–धान्य में वृद्धि होगी और समाज में मान–सम्मान भी बढ़ेगा। 3. कर्क कर्क राशि के जातकों के लिए यह समय काफी शुभ साबित हो सकता है। अचानक से धन की प्राप्ति हो सकती है। कोई रुक हुआ पैसा वापस मिल सकता है। सूर्य गोचर और चंद्र ग्रहण का प्रभाव कर्क राशि पर सकारात्मक प्रभाव डालेगा, जिससे उन्हें नए अवसर मिल सकते हैं। उनके करियर में अच्छे बदलाव हो सकते हैं और वे नए आयाम हासिल करेंगे। साथ ही परिवार और रिश्तों में खुशियां और सामंजस्य बना रहेगा। यह समय आत्म. विश्वास बढ़ाने और नए प्रयास करने का है।

इबादत का महीना है रमजान, भूलकर भी ईद तक न करें ये गलती

रमजान इस्लाम धर्म का सबसे पवित्र महीना माना जाता है. इस दौरान दुनियाभर के मुसलमान रोजा रखते हैं, अल्लाह की इबादत करते हैं और नेक कामों में हिस्सा लेते हैं. भारत में पहला रोजा 2 मार्च को रखा गया था.इस्लाम में रमजान की शुरुआत दूसरी हिजरी (624 ईस्वी) में हुई थी और तब से यह परंपरा चली आ रही है. इस्लाम में रोजा रखना पांच बुनियादी स्तंभों (फाइव पिलर्स) में से एक है. ये पांच स्तंभ हैंतौहीद – अल्लाह को एक मानना और उनके नबी के बताए रास्ते पर चलना. नमाज – दिन में पांच वक्त की नमाज अदा करना.जकात – गरीबों को दान देना.
रोजा –रमजान के पूरे महीने उपवास रखना.हज इस्लामिक कैलेंडर के अनुसार सक्षम मुसलमानों का मक्का की यात्रा करना.रोजा रखने वाले मुसलमान सूर्योदय से लेकर सूर्यास्त तक कुछ भी नहीं खाते और न ही पानी पीते हैं. यह सिर्फ खान–पान से परहेज करने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि आत्मसंयम और आध्यात्मिक शुद्धि का भी माध्यम है.सहरी रोजे की शुरुआत सहरी से होती है, जो सूरज निकलने से पहले किया जाता है. इस दौरान मुसलमान नमाज पढ़ते हैं, अल्लाह की इबादत करते हैं और अपने रोजमर्रा के काम करते हैं.भूलकर भी न करें ये काम रोजे के दौरान केवल खाने–पीने से परहेज करना ही जरूरी नहीं होता, बल्कि आचरण और व्यवहार पर भी नियंत्रण रखना होता है. किसी को जुबान से तकलीफ देना, किसी का नुकसान करना या कोई गलत काम देखना मना होता है. रोजे की हालत में यौन संबंध बनाने की भी मनाही होती है और यदि रात में ऐसा होता है तो सुबह सहरी से पहले पाक (शुद्ध) होना जरूरी है.शबे कद्र – रमजान के दौरान सबसे खास रात शबे कद्र होती है, जिसे हजार रातों से बेहतरष कहा गया है. माना जाता है कि इसी रात पैगंबर मुहम्मद (स.अ.व.) पर कुरआन शरीफ का पहला संदेश नाजिल हुआ था. इस्लामिक मान्यता के अनुसार, इस महीने में हर नेक काम का सवाब (पुण्य) कई गुना बढ़ जाता है.

आवश्यकता है
हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र जननायक सम्राट के लिए जिला व्यूरो चीफमंडल व्यूरो चीफ ब्लाक ,ब्यूरो संवाददाता की आवश्यकता है।
सम्पर्क करें –
अमित कुमार वर्मा -संम्पादक
मौ:-8218049162,8273402499

जननायक सम्राट
हिन्दी साप्ताहिक
मालिक,मुद्रक, प्रकाशक आरती वर्मा द्वारा आशु प्रिंटिंगप्रेस,अचलताल अलीगढ़ से मुद्रितकराकर . कार्यालय सरोज नगर गली नम्बर 5,अलीगढ़ से प्रकाशित
सम्पादक–अमित कुमार वर्मा
सभी विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद